[Conference-Composition of Colours :December,2014] ISSN- 2350-0530
DOI: https://doi.org/10.29121/granthaalayah.v2.i3SE.2014.3661

INTERNATIONAL JOURNAL of RESEARCH –GRANTHAALAYAH
A knowledge Repository
Art

रंगों का सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन पर प्रभाव

डॉ. नरेन्द्र कुमार ओझा
सहायक प्राध्यापक
राजनीति शास्त्र, शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई, कन्या महाविद्यालय, किला भवन, इन्दौर (म.प्र.)

रंगों का मानवीय जीवन के साथ निकट का सम्बन्ध है। रंगों के बिना मानवीय जीवन अधुरा है, रंगों का मानव के सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक, जीवन पर प्रभाव पड़ता है, रंग कई प्रकार के होते है जैसे पीला, लाल, हरा, बैंगनी, नीला, काला, श्वेत आदि हर प्रकार के रंग का अपना विशिष्ट महत्व है और इसकी अपनी विशिष्ट पहचान है, जैसे लाल रंग उत्तेजक एवं आकर्षक होता है, यह अत्यन्त ही सक्रिय एवं आक्रामक होता है, इसके द्वारा क्रोध, साहस, वीरता, श्रृंगारिकता प्रकट होती है, महिलाओं में यह अत्यंत ही लोकप्रिय होता है, महिलायें त्यौहारों पर ईश्वर की आराधना के समय लाल रंग की साड़ियॉ पहनना ही ज्यादा पसंद करती है यहॉ तक कि भगवान के वस्त्रों के लिए भी लाल रंग का चयन सर्वाधिक होता है। लाल रंग का राजनीति के साथ भी निकट का संबंध है, यहॉ तक कि भारत के साम्यवादी दल, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी एवं कम्युनिस्ट पार्टी की पहचान ही लाल रंग के झण्डे से है, ''कामरेड का लाल सलाम''। खून जो मनुष्य के शरीर का आधार है, वह भी लाल ही है। लाल रंग खतरे का भी प्रतीक है, ट्राफिक सिग्नल लालरंग जिसके कारण सम्पूर्ण यातायात रूक जाता है। अतः लाल रंग की अपनी विशिष्ट पहचान है। दुर्भाग्य है कि आज सम्पूर्ण विश्व में आतंकवादी खून की लाल होली खेल रहे है, यह सम्पूर्ण मानवता के लिए एक खतरनाक संकेत है। इस आतंकवाद को रोकना होगा, देखना यह होगा कि अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक का कौन सा रंग इस आतंकवाद खतरनाक नासूर को रोकने में कामयाब होगा उस दिन की हमें प्रतीक्षा है।

काला रंग प्रकाशहीन, उत्तेजनाहीन, गंभीरता को प्रकट करता है, यह दुःख, मृत्यु, भय, पाप, शोक, निराशा का प्रतीक है। राजनीति में काले रंग की अपनी विशिष्ट पहचान है, विरोध प्रगट करने के लिए नेताओं को जनता काले झण्डे दिखाकर अपना विरोध प्रगट करता है, काली पट्टी बांधकर भी जनता अपना विरोध प्रगट करती है, यहॉ तक की काली रात अत्यन्त ही भयावह होती है और सुबह का इन्तजार रहता है। दक्षिण अफ्रीका में रंगभेदवाद के खिलाफ ही राष्ट्रपिता महात्मागांधी ने एक लम्बा संघर्ष किया, संयुक्त राष्ट्रसंघ में भारत ने पिछले 50 वर्षो से अधिक समय तक रंगभेदवाद एवं नस्लवाद के खिलाफ जोरदार संघर्ष किया है, एवं दक्षिण अफ्रीका की जनता को मानवीय अधिकार दिलवाये।

पीला रंग सर्वाधिक चमक, प्रकाशयुक्त किन्तु सबसे कम लोकप्रिय है। यह अत्यन्त ही प्रसन्नतादायक तथा सूर्य, प्रकाशयश का प्रतीक है। सूर्य का पीला प्रकाश, सूर्य की प्रथम किरण से ही काली रात की बिदाई होती है। भारतीय जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी की एक लम्बी यात्रा पीले रंग के झण्डे एवं पीली टोपी से ही हुयी है, अतः स्पष्ट है कि राजनीति में पीले रंग का अपना अमिट प्रभाव रहा है, पीली हल्दी जो कई बीमारियों से मनुष्य की रक्षा करती है, भारत में प्रशासकीय अधिकारियों के वाहनों पर पीली बत्ती ही अपनी एक अलग पहचान है। होली जैसे सामाजिक पर्व, होलिका दहन से लेकर पीले रंग से खेली जाने वाली होली अपनी एक पहचान है। नीला रंग, शान्त, मधुर, निष्क्रियता, ईमानदारी, आशा का प्रतीक है। इसकी अपनी एक विशिष्ट पहचान है, हरा रंग, तटस्थ एवं निष्क्रिय है, यह सामान्यतः ताजगी, यौवन, अपरिपक्कता का प्रतीक है। ईसाईधर्म में यह आशा, ध्यान, अमरत्व एवं पुर्नजन्म का प्रतीक है।

बैंगनी रंग राजसी रंग है, यह वैभव, प्रभावशीलता, वीरता, शान'–शौकत, आध्यात्मिकता, श्रेष्ठता का प्रतीक है। श्वेत रंग सक्रिय, उत्तेजक, प्रकाशयुक्त, हल्का एवं कोमल है, पवित्रता, तेज, सत्य का प्रतीक है। सफेद टोपी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपनी पहचान बनायी है, और आजादी के बाद सफेद खादी के वस्त्र पहनावा कांग्रेस रूपी राजनीतिक दल की पहचान है। इस प्रकार से हम देखते है कि रंगों का सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन पर गहरा प्रभाव पड़ा है। भारत में होली जैसा त्यौहार रंगों का त्यौहार के नाम से जाना जाता है। यह रंगों का त्यौहार सामाजिक एवं धार्मिक एकता का प्रतीक है, विभिन्न रंगों में हिन्दू, मुस्लिम, सिक्ख, ईसाई सभी धर्मो के लोग होली खेलते है, यह भाईचारा, एकता का प्रतीक है। लोग अपने भेदभाव को भूलाकर इस दिन एक–दूसरे से गले मिलते है। इस प्रकार से हम देखते है कि केवल होली ही नहीं ईद, दीपावली, क्रिसमस–डे पर विभिन्न रंगों से सजाई हुयी मिठाईयॉ देखने को मिलती है, और विभिन्न जाति एवं समुदायों के लोग एक दूसरे के यहॉ जाते है और मिठाईयॉ खाते है, इस प्रकार से हम देखते है कि रंग हमारे जीवन में सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन पर प्रभाव डालते है, रंगों का अपना एक विशिष्ट महत्व है।